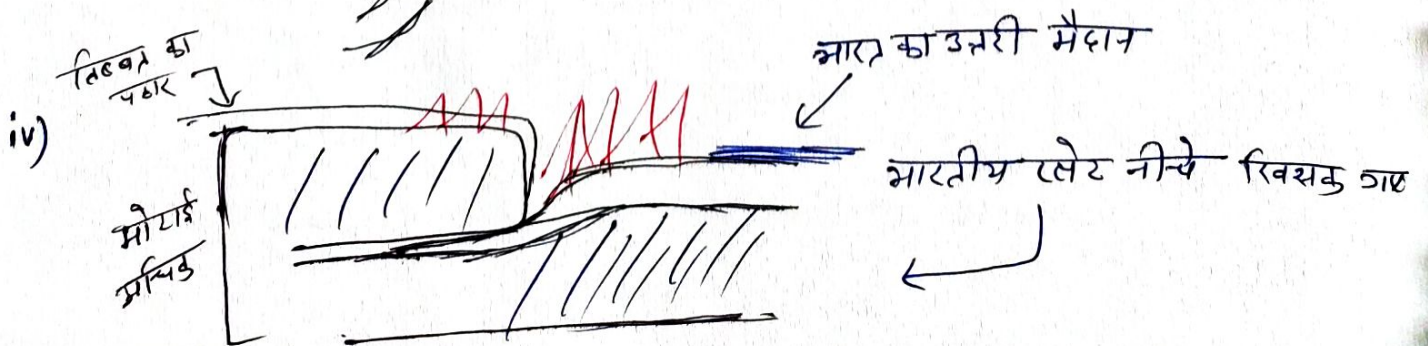
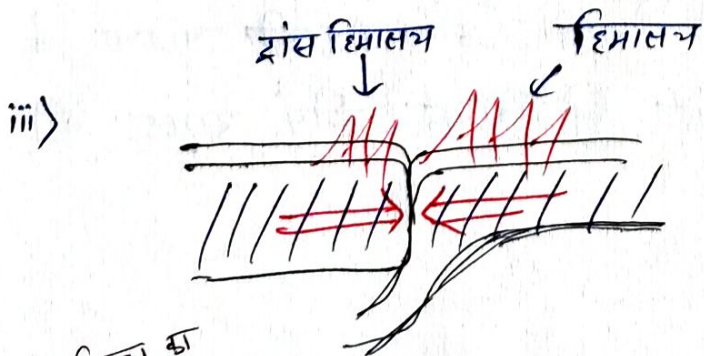
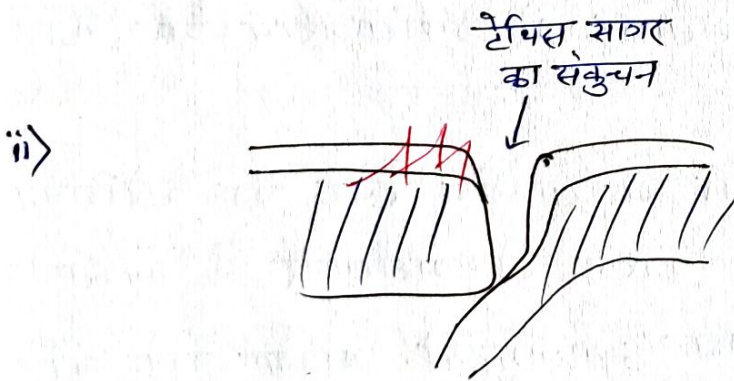
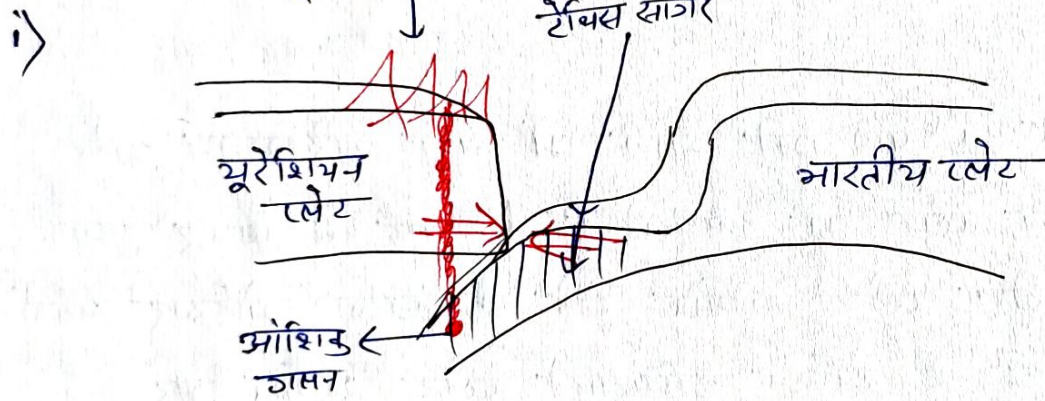
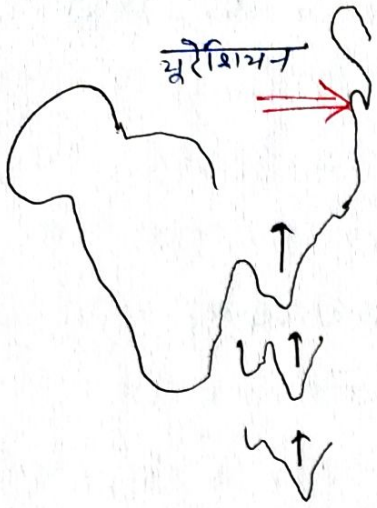


# महाद्वीपीय - महाद्वीपीय खबर

↳ हिमालय की उत्पत्ति

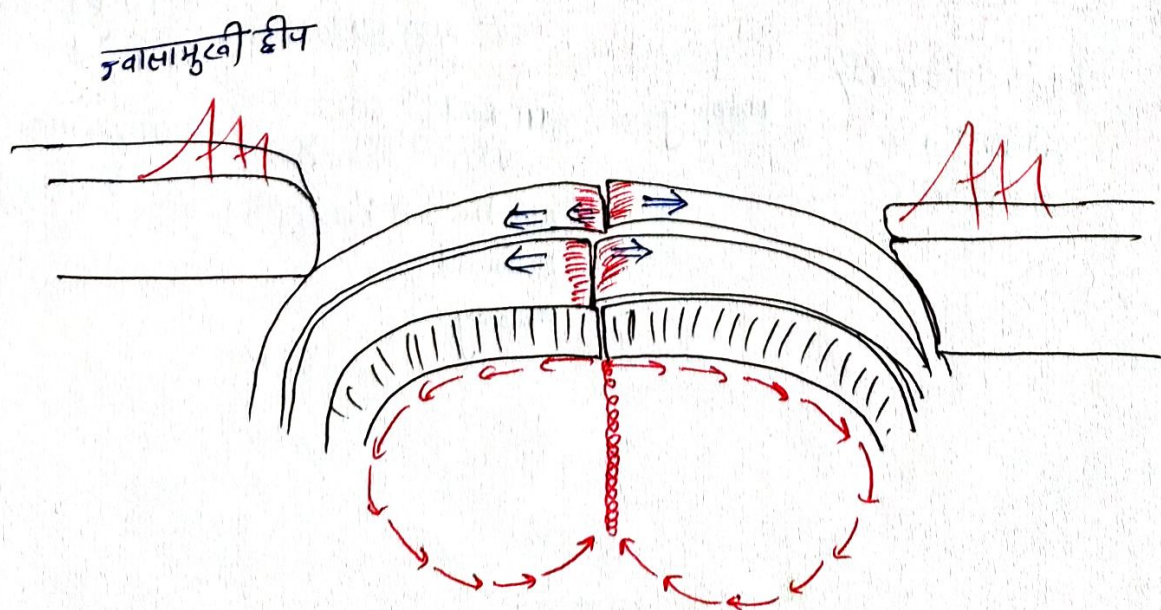


→ प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत के अनुसार हिमालय पर्वत की उत्पत्ति के पूर्व भारतीय & यूरेशियन प्लेट के मध्य में टैचिस सागर रूपी बेसिन अवस्थित था। टैचिस सागर के प्लेट का यूरेशियन प्लेट से टक्कर के कारण उत्पन्न संपीड़न बल के द्वारा द्वांस हिमालय की उत्पत्ति हुई।

टैचिस सागर रूपी प्लेट की क्रस्ट का आंशिक गलन होने के कारण सागर रूपी बेसिन का संकुचन हुआ जिससे अंतर: भारतीय प्लेट का यूरेशियन प्लेट से टक्कर हुआ। इस टक्कर के कारण उत्पन्न संपीड़न बल के द्वारा होनेवाली वलन की प्रक्रिया से भारतीय प्लेट पर मोड़दार पर्वत के रूप में हिमालय की उत्पत्ति हुई।

कम घनत्व वाली भारतीय प्लेट का अधिक गहराई में क्षेपण नहीं हुआ इसलिए हिमालय के पर्वतीय क्षेत्र में ज्वालामुखी प्रक्रिया नहीं होती है जबकि अमिसारी प्लेट सीमांत पर प्लेटों के संचलन के कारण तीव्र गति से कंपन होने पर हिमालय के पर्वतीय क्षेत्र में भूकंप आने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

### समानांतर प्लेट सीमांत

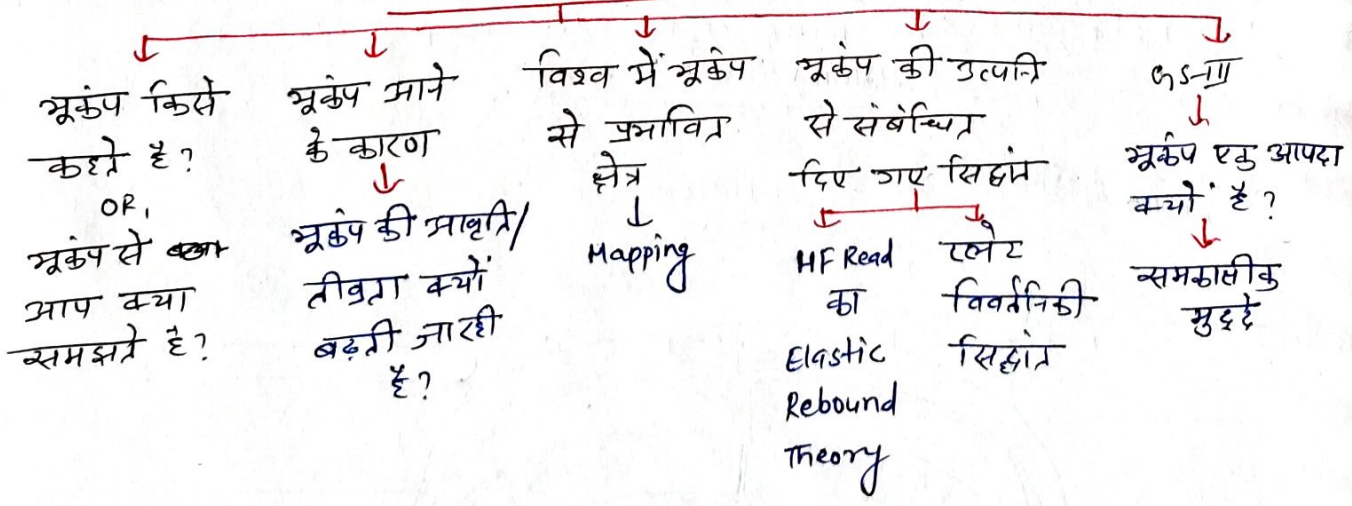


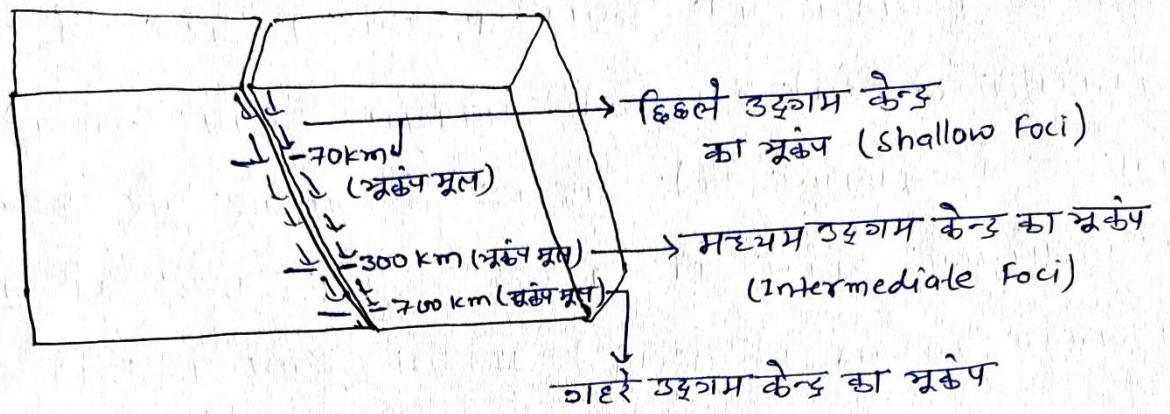
→ समानांतर प्लेट सीमांत पर जहाँ क्रस्ट का निर्माण या क्रस्ट का क्षय नहीं होने के कारण इसे संरक्षी प्लेट सीमांत करते हैं। इस प्लेट सीमांत पर जहाँ प्लेटों का एक दूसरे के समानांतर लेकिन विपरीत दिशा में संचलन होता है वहाँ घर्षण के कारण ऊष्मा का निष्कासन होने पर भूकंप आने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

इस प्रकार प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि अपसारी, अभिसारी और समानांतर प्लेट सीमांत पर प्लेटों के संचलन के कारण तीव्र गति से होनेवाले कंपन से भूकंप की उत्पत्ति होती है वहीं अपसारी और अभिसारी प्लेट सीमांत पर ज्वालामुखी प्रक्रिया होती है जबकि अभिसारी प्लेट सीमांत पर जहाँ महासागरीय प्लेट का मुड़ने के बाद क्षेपण होता है वहाँ महासागरीय गर्त बनते हैं।

वहीं महाद्वीपीय सीमांत पर संपीड़न बल के कारण वलन की प्रक्रिया से मोड़दार पर्वतों की उत्पत्ति होती है।

भूकंप (Earthquake)





भूकंप की तीव्रता

भूकंपीय तरंग की विशेषताएं

भूकंप मूल की गहराई

P-तरंग S-तरंग L-तरंग

1st Paper

2nd Paper

चट्टान की संरचना और संगठन

मुलाभम और असंगठित चट्टान

भूस्तरवलन

समस्यैतिक असंतुलन

अंतर्जात बल की तीव्रता (↑)

भूशतल का निर्माण

बर्जित बल भी निष्पीडित करते हैं।

मौसम में परिवर्तन

चट्टानी संरचना

मानव

वृक्षों का कटाव

वनस्पति की सघनता (↓) & स्थलस्वरूप में अस्थायित्व

भूमि उपयोग प्रतिरूप में परिवर्तन के लिए स्थल-स्वस्थीय विशेषताओं में परिवर्तन

वायु प्रदूषण

ग्लोबल वार्मिंग

मौसम में प्रतिकूल परिवर्तन

पर्वतीय क्षेत्र में बाढ़ का फटना